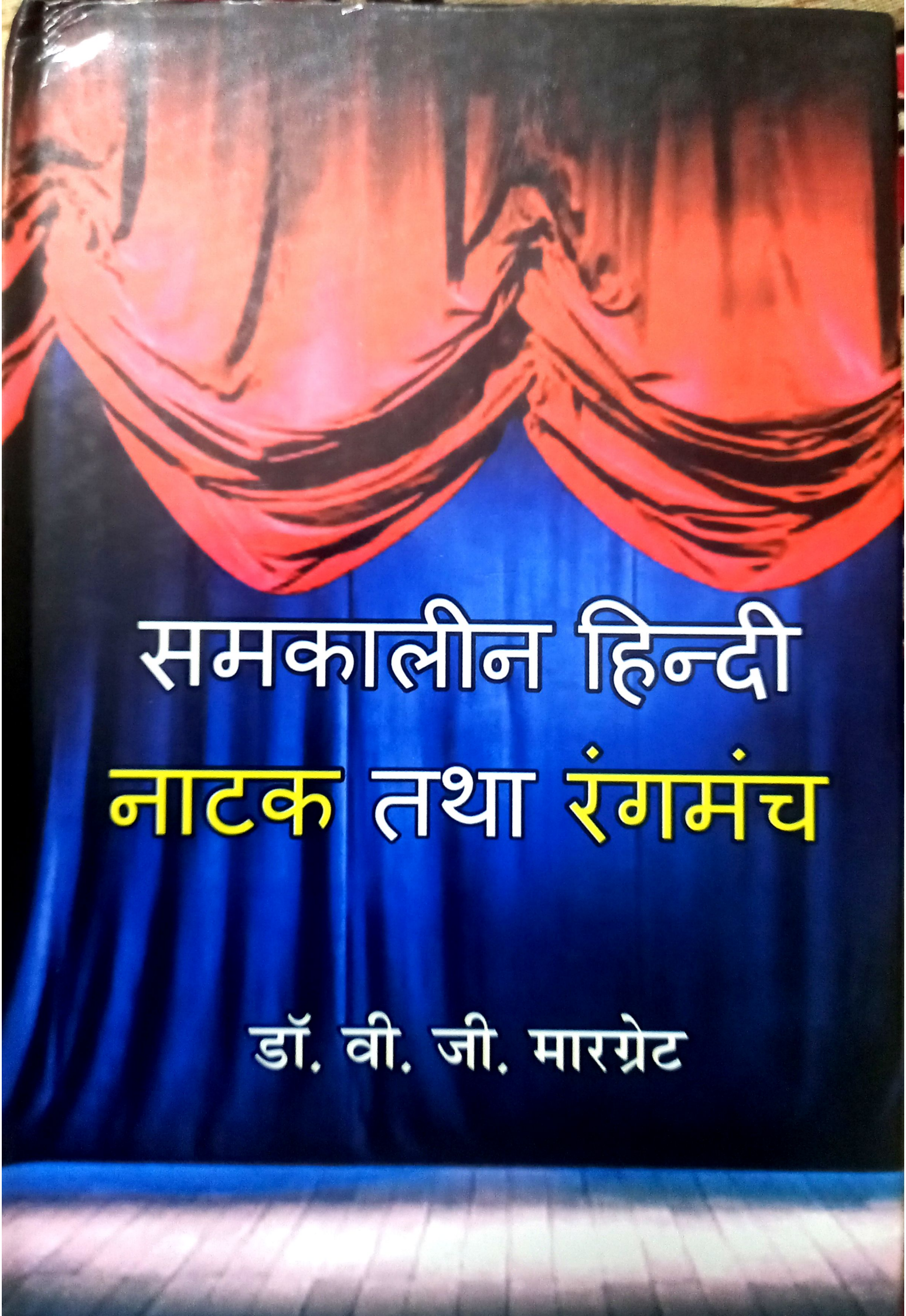
समकालीन हिन्दी
नाटक तथा रंगमंच
डॉ. वी. जी. मारग्रेट

16. असंगत नाटक : कथ्य और शिल्प
-डॉ. राधामणि.सी
17. नुक्कड़ नाटक का मसीहा 'सफदर हाशमी' और उनका 'औरत'
-डॉ. पी.गीता
18. 'कोर्ट मार्शल' में दलित संवेदना की अभिव्यक्ति
-डॉ. प्रमिदा.के
19. 'पोस्टर' नाटक : आदिवासी चेतना के सन्दर्भ में
-डॉ. मारग्रेट.वी.जी.
20. समकालीन परिदृश्य : शाहिद अनवर के नाटक 'हमारे समय' में
-डॉ. प्रिया.पी.
21. संस्कृति का बाज़ीकरण 'चोर निकल के भागा' में
-लानिषा.वी.
22. समकालीन शिक्षा व्यवस्था का विकृत वातावरण : ओम.क्रान्ति क्रान्ति
-सुजिता.पी.
23. कलाकार का आत्म संघर्ष-'कालकोठरी' में
-हद्या एम.पी.
24. 'जादू का कालीन' : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
-दिव्या इ.ए.
25. समकालीन हिन्दी रंगमंच
-डॉ. माया.पी
26. समकालीन हिन्दी नाटकों की रचना-दृष्टि और रंगमंचीय दृष्टि
-डॉ. जेम्स पॉल
27. रंगमंच पर साहित्य का प्रभाव
-डॉ. एन.एम. सण्णी
28. नुक्कड़ रंगमंच तथा हिन्दी के नुक्कड़ नाटक-एक विश्लेषण
-डॉ. पिबी.सी
29. दलित नाट्य लेखन और रंगमंच
30. हिन्दी दलित नाटक और रंगमंच : दशा और दिशा
-डॉ. शरशाद खान.एम.
-डॉ. सुशीला टाकभौरे
31. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया व रंगकर्म
-शाली पद्मावती.पी

18

'कोर्ट मार्शल' में दलित संवेदना की अभिव्यक्ति

□ डॉ. प्रमिदा के

स्वदेश दीपक का बहुचर्चित नाटक 'कोर्ट मार्शल' दलितों के प्रति समाज में, सरकारी विभाग में होने वाले अत्याचारों की यथार्थ अभिव्यक्ति है। नाटक का रामचंदर दलित पात्र है, जो ऊँचे अधिकारियों के शोषण का पात्र है। संसार में किसी भी सभ्य देश की सेना में गंभीर अपराध करने पर कोर्ट मार्शल चलता है। कोर्ट मार्शल के निर्णय के विरुद्ध किसी सिविल कोर्ट में अपील नहीं की जा सकती। कर्नल सूरतसिंह सभापति जज है। मेजर उतजयपुरी सरकारी वकील एवं केप्टन बिकाशराय बचाव वकील की भूमिका निभाते हैं। अपराधी रामचंदर इस नाटक का मुख्य दलित पात्र है।

कर्नल सूरतसिंह (अपने आप) दर्शकों से बातें करता है जिससे नाटक शुरू होता है। वह अधिकारी वर्ग (उच्च वर्ग) का प्रतीक है। मौत एवं युद्ध पर वे विचार करते हैं- "हम लोगों के जीवन में ऐसे मामेंट्स जंग के मैदान भी आते हैं और कोर्ट मार्शल के कमरे में भी। और सूरतसिंह के खिलाफ आज तक, कोई भी, किसी तरह का चक्रव्यूह नहीं बना पाया। न युद्ध में और न ही कोर्ट मार्शल में।"

यहाँ सूरतसिंह का सामंती व्यवहार अभिव्यक्त होता है। उसे कोई नहीं पराजित कर सकते हैं। वे कोर्ट मार्शल में सैनिकों की गवाही पहले लेते हैं। सैनिक अफसर की हत्या के मामले में कोर्ट मार्शल चल रहा है।

रामचंदर पर यही अपराध है कि गार्डड्यूटी करने वाला रामचंदर ने मोटरसाइकिल पर आने वाले कैप्टन मोहनवर्मा और कैप्टन कपूर पर गोली चला